ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

परमात्म इशारे

Peace of Mind

जब आपके अन्दर निःस्वार्थ प्यार है,
तब आप सभी
गुणों और शक्तियों से भरपूर हो...।

d2h 1221
dishtv 1087
TATA PLAY 1065
airtel 678
SUN DIRECT 496
JioTV 1065

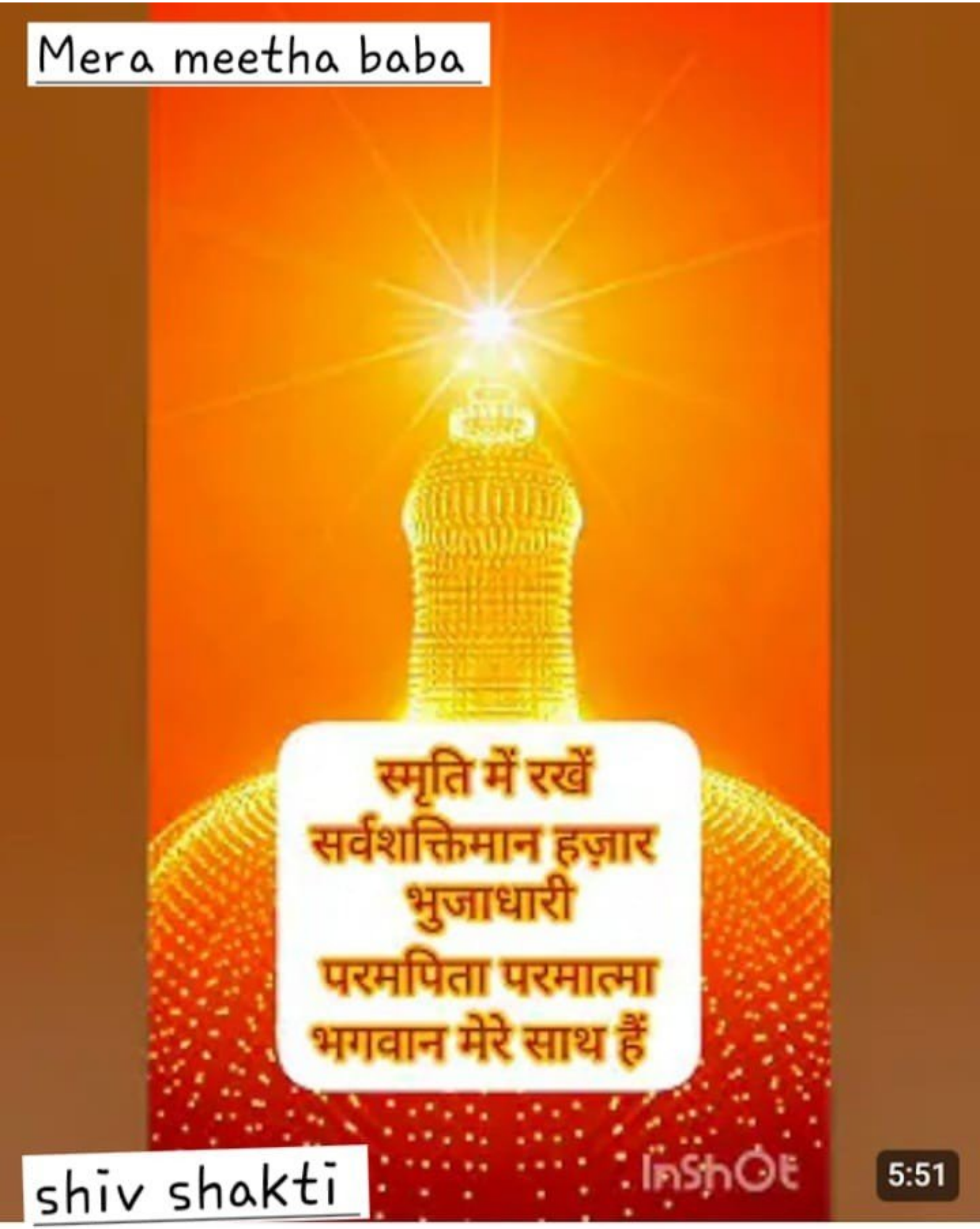
Mera meetha baba
स्मृति में रखें
सर्वशक्तिमान हज़ार
भुजाधारी
परमपिता परमात्मा
भगवान मेरे साथ हैं
shiv shakti
InShOt
5:51

"मेरा पति, मेरी पत्नी, मेरा घर, मेरे बच्चे, मेरी दुकान, मेरा दफ्तर - यह मेरा-मेरी सहज को मुश्किल कर देता है।"

एक शब्द में कहें - ट्रस्टी अर्थात् नष्टोमोहा। जो भी प्रवृत्ति के अर्थ साधन मिले हुए हैं वा सेवा के अर्थ सम्बन्ध होता है, उसमें मेरापन नहीं लेकिन बाप-दादा का दिया हुआ अमानत समझकर सेवा करेंगे वा साधनों को कार्य में लगाएंगे तो सहज ही ट्रस्टी बन जाएंगे। ट्रस्टी अथार्त् मैं-पन समाप्त और बाबा-बाबा ही मुख से निकले ऐसी स्थिति है? या जिन साधनों को कार्य में लगाते हो उसमें मेरापन का भान है? मेरापन है तो देहभान आता है। तो सदा देही अभिमानी बनने का अर्थात् नष्टोमोहा बनने का सहज साधन क्या हुआ? ट्रस्टी हूँ, मैं ट्रस्टी हूँ। कल्प पहले के यादगार में भी अर्जुन का जो यादगार दिखाया है - उसमें अर्जुन को मुश्किल कब लगा? जब मेरापन आया। मेरा खत्म तो नष्टोमोहा। अर्थात् स्मृति स्वरूप हो गए। मेरा पति, मेरी पत्नी, मेरा घर, मेरे बच्चे, मेरी दुकान, मेरा दफ्तर - यह मेरा-मेरी सहज को मुश्किल कर देता है। सहज मार्ग का साधन है - 'नष्टो मोहा अर्थात् ट्रस्टी।' इस स्मृति से स्वयं और सर्व को सहज योगी बनाओ।

Avyakt Murli - 22-06-1977

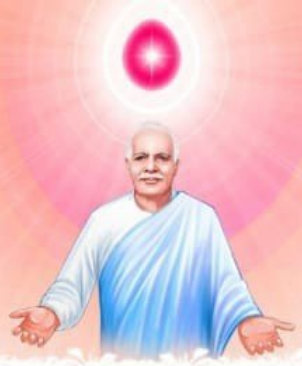

सम्पूर्णता की ओर

संतुष्ट को संतुष्ट रखना, स्नेही को स्नेह देना, सहयोगी के साथ सहयोगी बनना - यह महावीरता नहीं है, लेकिन कोई कितना भी असहयोगी बने, अपने सहयोग की शक्ति से असहयोगी को सहयोगी बनाना इसको महावीरता कहा जाता है। कमजोर को कमजोर समझ छोड़ न दो। लेकिन उसको बल देकर बलवान बनाओ, कमजोरी को हाई जंप देने योग्य बनाओ तब कहेंगे महावीर अथवा सब पर उपकार करने वाले।

"Person Receiving anger has a Choice,
Creator of the anger has NO Choice.

Receiver gets immune and is happy.
Giver cannot escape the impact
Of their own negative creation.

Receiver is not the Victim ...
Giver is the Victim of the
Anger they inflict on themselves."

- BK SHIVANI
facebook.com/BKShivani
youtube.com/BKShivani

व्यक्त में रहते
अव्यक्त फरिश्ता
बनकर सेवा करो
तो विश्व कल्याण
का कार्य तिव्रगति
से सम्पन्न हो..
Tapovan

Our work becomes a gift for the world when it is done in the state of peace and joy.
BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org